12/05/2020

Subject - Pedagogy of Commerce
Topic - Scope of Commerce at College Level

B.Ed.
Ist Year

माध्यमिक स्तर पर वाणिज्य शिक्षा का क्षेत्र

① प्रारम्भिक बहीखाता के अन्तर्गत - दोहरा लेखा प्रणाली का तात्विक सिद्धान्त व व्यवहार, आधुनिक पाश्चात्य बहीखाता प्रणाली के अनुसार प्रारम्भिक लेखे की पुस्तकें केवल रोजनामचा व रोकड़ बही, खतौनी व तलपट, भारतीय बहीखाता प्रणाली, रोकड़ बही व जमा तथा नाम नकल बही।

② व्यापार प्रणाली के अन्तर्गत - व्यापार कार्यालय का संगठन व कार्य प्रणाली, आने-जाने वाले पत्रों का लेखा, प्रतिलिपिकरण, पूछताछ व आदेश सम्बन्धी पत्र व्यवहार।

③ अधिकोषण तत्व के अन्तर्गत - मुद्रा - इतिहास, परिभाषा, कार्य व भारत मे मुद्रा प्रणाली का सामान्य परिचय।

④ अर्थशास्त्र के अन्तर्गत - अर्थशास्त्र की परिभाषा, क्षेत्र, अर्थशास्त्र से सम्बन्धित शब्दावली जैसे - उपयोगिता, धन, कीमत, मूल्य आदि। आवश्यकताओं का वर्गीकरण एवं लक्षण, उपयोगिता ह्रास नियम।

⑤ बैंक - जन्म, परिभाषा, कार्य एवं महत्व, भारतीय रिजर्व बैंक, स्टेट बैंक, व्यापारिक बैंक, सहकारी बैंक, देशी बैंकर का सामान्य अध्ययन।

Scanned with CamScanner

उच्च माध्यमिक स्तर पर वाणिज्य का क्षेत्र

उच्च माध्यमिक स्तर का केन्द्रीय बोर्ड, दिल्ली ने वाणिज्य शिक्षा हेतु निम्न क्षेत्र प्रस्तुत किया है —

I. व्यापारिक शिक्षा (Business Studies)

(a) व्यापार और आर्थिक क्रियाएँ
(b) व्यापार की प्रकृति एवं उद्देश्य
(c) व्यापार की संरचना
(d) व्यापार और कार्य स्तर
(e) व्यापार संघ के प्रकार
(f) सहयोगी संस्थाएँ
(g) व्यापार मंडल का निर्माण
(h) वित्त व्यापार के स्रोत
(i) शेयर बाजार
(j) आन्तरिक व्यापार, (k) बाह्य व्यापार,

(l) (i) कार्यात्मक प्रबन्धन
(ii) फैक्ट्री या संस्थान
(iii) कार्यात्मक प्रबन्धन

II. लेखा शास्त्र (Accountancy)

(i) लेखा शास्त्र - अर्थ, उद्देश्य और प्राथमिक लेखाशास्त्र
(ii) लेखाशास्त्र के सिद्धान्त, (iii) लेखा शास्त्र का आरम्भ एवं कार्य
(iv) कच्चा चिट्ठा एवं तुलिया (v) व्यापारिक लेखा लाभ
(vi) हानि लेखा और व्यापारिक चिट्ठा (vii) कम्प्यूटर से अवगत होना
(viii) मूल्य ह्रास, आरक्षित करना और व्यवस्था (ix) बिल का आदान-प्रदान
(x) बिना लाभ देने वाली संस्थाओं का लेखा
(xi) अपूर्ण अभिलेख से लेखा तैयार करना। (Complete.)

Scanned with CamScanner